**Załącznik Nr 3a do Uchwały Nr 681**

**z dnia 7 kwietnia 2020 roku**

**PLAN STUDIÓW**

**KIERUNKU: Teologia**

**W ZAKRESIE: Formacja kapłańska**

**Obowiązuje od cyklu:** 2020 Z

**Poziom studiów:** studia jednolite magisterskie

**Profil kształcenia:** ogólnoakademicki

**Forma studiów:** stacjonarne

**Liczba semestrów:** 12

**Dziedzina/y nauki/dyscyplina/y naukowa/e lub artystyczna/e:**dziedzina nauk teologicznych, dyscyplina naukowa nauki teologiczne, dziedzina nauk społecznych, dyscypliny: pedagogika, psychologia

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Rok studiów: 1, semestr: 1** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **IV. – ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 2. – Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Wstęp do Katechizmu Kościoła Katolickiego 1 | I | 3 | 0 | Zal-o | F | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| 2 | Współczesny obraz świata 1 | I | 1,5 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| 3 | Czytanie Pisma świętego jako słowa Bożego 1 | I | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 5 | 10 | 1 |  |  |
| 4 | Wprowadzenie do duchowości 1 | I | 1,5 | 0 | Zal-o | F | 15 | 5 | 10 | 1 |  |  |
| 5 | Literatura i kod kulturowy 1 | I | 5 | 0 | Zal-o | F | 90 | 45 | 45 | 6 |  |  |
| 6 | Wprowadzenie do muzyki kościelnej 1 | I | 1,5 | 1,5 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 7 | Historia i tradycje Kościoła lokalnego 1 | I | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 8 | Metodyka uczenia się i pracy z tekstem 1 | I | 0,25 | 0,25 | Zal-o | F | 6 | 0 | 6 | 1 |  |  |
| 9 | Kultura języka polskiego 1 | I | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 5 | 10 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 16,75 | 1,75 | X | X | 276 | 135 | 141 | 19 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 1,75 | 1,75 | X | X | 36 | 0 | 36 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 16,75 | 1,75 | X | X | 276 | 135 | 141 | 19 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 1** | **16,75** | **1,75** | **X** | **X** | **276** | **135** | **141** | **19** |  |  |
| **Rok studiów: 1, semestr: 2** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** |
| 1 | Język obcy 1 | II | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 2. – Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Wstęp do Katechizmu Kościoła Katolickiego 2 | II | 3 | 0 | Zal-o | F | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| 2 | Współczesny obraz świata 2 | II | 1,5 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| 3 | Czytanie Pisma świętego jako słowa Bożego 2 | II | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 5 | 10 | 1 |  |  |
| 4 | Wprowadzenie do duchowości 2 | II | 1,5 | 0 | Zal-o | F | 15 | 5 | 10 | 1 |  |  |
| 5 | Literatura i kod kulturowy 2 | II | 5 | 0 | Zal-o | F | 90 | 45 | 45 | 6 |  |  |
| 6 | Wprowadzenie do muzyki kościelnej 2 | II | 1,5 | 1,5 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 7 | Historia i tradycje Kościoła lokalnego 2 | II | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 8 | Metodyka uczenia się i pracy z tekstem 2 | II | 0,25 | 0,25 | Zal-o | F | 6 | 0 | 6 | 1 |  |  |
| 9 | Kultura języka polskiego 2 | II | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 5 | 10 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 16,75 | 1,75 | X | X | 276 | 135 | 141 | 19 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 1,75 | 1,75 | X | X | 36 | 0 | 36 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 16,75 | 1,75 | X | X | 276 | 135 | 141 | 19 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 2** | **18,75** | **3,75** | **X** | **X** | **306** | **135** | **171** | **20** |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na I roku studiów** | **35,5** | **5,5** | **X** | **X** | **582** | **270** | **312** | **39** |  |  |
| **Rok studiów: 2, semestr: 3** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** |
| 1 | Technologie informacyjno-komunikacyjne | III | 2 | 2 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| 2 | Język obcy 2 | III | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| **II. – PODSTAWOWYCH** |
| 1 | Wstęp do filozofii | III | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 2 | Logika | III | 3 | 0 | Zal-o | O | 45 | 15 | 30 | 3 |  |  |
| 3 | Metafizyka | III | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 50 | 10 | 4 |  |  |
| 4 | Historia filozofii – starożytność i średniowiecze | III | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 18 | 0 | X | X | 195 | 110 | 85 | 13 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Język łaciński 1 | III | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| 2 | Historia Kościoła powszechnego – starożytność | III | 2,5 | 0 | E | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 5,5 | 3 | X | X | 70 | 15 | 55 | 5 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 3 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **IV. – ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** |
| 1 | Psychologia ogólna | III | 7 | 0 | E | F | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 7 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 7 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 3** | **34,5** | **7** | **X** | **X** | **385** | **155** | **230** | **24** |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **Rok studiów: 2, semestr: 4** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** |
| 1 | Język obcy 3 | IV | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | IV | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 4 | 2 | X | X | 60 | 30 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 4 | 2 | X | X | 60 | 30 | 30 | 2 |  |  |
| **II. – PODSTAWOWYCH** |
| 1 | Filozofia nauki | IV | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 2 | Historia filozofii – nowożytność i współczesność | IV | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| 3 | Teoria poznania | IV | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 10,5 | 0 | X | X | 120 | 70 | 50 | 8 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Język łaciński 2 | IV | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| 2 | Muzyka kościelna – zasady muzyki | IV | 1 | 1 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| 3 | Historia Kościoła powszechnego – średniowiecze | IV | 2 | 0 | Zal-o | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 6 | 4 | X | X | 85 | 15 | 70 | 6 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** |
| 1 | Psychologia rozwojowa i wychowawcza | IV | 3 | 0 | E | F | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 2 | Pedagogika | IV | 5 | 0 | E | F | 75 | 45 | 30 | 5 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 8 | 0 | X | X | 105 | 60 | 45 | 7 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 8 | 0 | X | X | 105 | 60 | 45 | 7 |  |  |
| **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** |
| 1 | Emisja głosu | IV | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| **V. – INNE** |
| 1 | Ergonomia | IV | 0,25 | 0 | Zal. | O | 2 | 2 | 0 | 0 |  |  |
| 2 | Ochrona własności intelektualnej | IV | 0,25 | 0 | Zal. | O | 2 | 2 | 0 | 0 |  |  |
| 3 | Etykieta | IV | 0,5 | 0 | Zal. | O | 4 | 4 | 0 | 0 |  |  |
| 4 | Szkolenie w zakresie bezpieczeństwa i higieny pracy | IV | 0,5 | 0 | Zal. | O | 4 | 4 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 1,5 | 0 | X | X | 12 | 12 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 4** | **32** | **8** | **X** | **X** | **412** | **187** | **225** | **25** |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na II roku studiów** | **66,5** | **15** | **X** | **X** | **797** | **342** | **455** | **49** |  |  |
| **Rok studiów: 3, semestr: 5** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** |
| 1 | Język obcy 4 | V | 2 | 2 | E | F | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| 2 | Wychowanie fizyczne 1 | V | 0 | 0 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 0 |  |  |
| 3 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | V | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 4 | 2 | X | X | 90 | 30 | 60 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 4 | 2 | X | X | 60 | 30 | 30 | 2 |  |  |
| **II. – PODSTAWOWYCH** |
| 1 | Filozofia przyrody i przyrodoznawstwa | V | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 2 | Filozofia Boga | V | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 3 | Filozofia człowieka | V | 6,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 15 | 0 | X | X | 150 | 110 | 40 | 10 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Język łaciński 3 | V | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| 2 | Muzyka kościelna – chorał gregoriański | V | 1 | 1 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| 3 | Historia Kościoła powszechnego – nowożytność | V | 2,5 | 0 | E | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 6,5 | 4 | X | X | 85 | 15 | 70 | 6 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Język hebrajski | V | 2,5 | 2,5 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 2 | Język grecki | V | 2,5 | 2,5 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 5 | 5 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 5 | 5 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 5 | 5 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 5** | **30,5** | **11** | **X** | **X** | **385** | **155** | **230** | **22** |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Rok studiów: 3, semestr: 6** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **II. - PODSTAWOWYCH** |
| 1 | Filozofia religii | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 2 | Etyka ogólna i stosowana | VI | 5,5 | 0 | E | O | 75 | 30 | 45 | 5 |  |  |
| 3 | Filozofia kultury, sztuki i techniki | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 4 | Filozofia społeczno-polityczna | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 11,5 | 0 | X | X | 165 | 90 | 75 | 11 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Język łaciński 4 | VI | 3 | 3 | Zal-o | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| 2 | Historia Kościoła powszechnego – współczesność | VI | 2,5 | 0 | E | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  |
| 3 | Muzyka kościelna – tony psalmowe | VI | 1 | 1 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| 4 | Patrologia | VI | 2,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 5 | Wstęp do teologii | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 6 | Wstęp do Pisma świętego z elementami archeologii biblijnej | VI | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 13 | 4 | X | X | 205 | 105 | 100 | 14 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 4 | 4 | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** |
| 1 | Podstawy dydaktyki | VI | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 0 | X | X | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 0 | X | X | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 6** | **26,5** | **4** | **X** | **X** | **400** | **210** | **190** | **27** |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na III roku studiów** | **57** | **15** | **X** | **X** | **785** | **365** | **420** | **49** |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Rok studiów: 4, semestr: 7** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **II. – PODSTAWOWYCH** |
| 1 | Socjologia | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 2 | Edukacja medialna | VII | 2 | 2 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 4 | 2 | X | X | 45 | 15 | 30 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Pięcioksiąg i księgi historyczne Starego Testamentu | VII | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 2 | Sztuka kościelna | VII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 3 | Ewangelie synoptyczne i Dzieje Apostolskie | VII | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 4 | Liturgika fundamentalna | VII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 5 | Teologia dogmatyczna - o Bogu Jedynym i w Trójcy Osób | VII | 3 | 0 | Zal-o | O | 40 | 30 | 10 | 3 |  |  |
| 6 | Teologia fundamentalna | VII | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 7 | Teologia moralna fundamentalna | VII | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 8 | Katechetyka fundamentalna | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| 9 | Prawo kanoniczne – normy ogólne | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  |
| 10 | Historia Kościoła w Polsce | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 31 | 0 | X | X | 380 | 310 | 70 | 27 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 7** | **35** | **2** | **X** | **X** | **425** | **325** | **100** | **30** |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **Rok studiów: 4, semestr: 8** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Księgi prorockie Starego Testamentu | VIII | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 2 | Pisma Janowe | VIII | 4,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 3 | Liturgika - rok liturgiczny i liturgia godzin | VIII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 4 | Teologia dogmatyczna - teologia stworzenia i antropologia teologiczna | VIII | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 5 | Aretologia teologicznomoralna | VIII | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| 6 | Katechetyka materialna (dydaktyka nauczania religii) | VIII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 7 | Prawo kanoniczne małżeńskie | VIII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 8 | Religiologia i dialog międzyreligijny | VIII | 3 | 0 | Zal-o | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 9 | Proseminarium | VIII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 24 | 0 | X | X | 300 | 200 | 100 | 20 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** |
| 1 | Praktyka w zakresie psychologiczno-pedagogicznym | VIII | 2 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  |
| **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** |
| 1 | Metodyka nauczania religii | VIII | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Muzyka kościelna – obrzędy pogrzebu i dobór pieśni | VIII | 2 | 2 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 2 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 2 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 8** | **30** | **4** | **X** | **X** | **345** | **200** | **145** | **25** | **30** |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na IV roku studiów** | **65** | **6** | **X** | **X** | **770** | **525** | **245** | **55** | **30** |  |
| **Rok studiów: 5, semestr: 9** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** |
| 1 | Wychowanie fizyczne 2 | IX | 0 | 0 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 0 |  |  |
| 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 1 |  |  |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Księgi mądrościowe Starego Testamentu | IX | 3,5 | 0 | E | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 2 | „Corpus Paulinum” i pozostałe listy Nowego Testamentu | IX | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 3 | Liturgika – sakramenty | IX | 2 | 1 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 4 | Teologia dogmatyczna - chrystologia z soteriologią i pneumatologia | IX | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 5 | Chrześcijańska moralność małżeńsko-rodzinna | IX | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 6 | Katechetyka szczegółowa (dydaktyka nauczania religii) | IX | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| 7 | Prawo kanoniczne o sakramentach | IX | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 8 | Seminarium naukowe 1 | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 22 | 1 | X | X | 270 | 180 | 90 | 18 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 1 | 1 | X | X | 10 | 0 | 10 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** |
| 1 | Dydaktyka nauczania religii 1 | IX | 3 | 3 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 1 – śródroczna | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 5 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 3 | 3 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 5 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 9** | **29** | **4** | **X** | **X** | **375** | **210** | **165** | **22** |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Rok studiów: 5, semestr: 10** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Teologia i hermeneutyka biblijna | X | 3,5 | 0 | E | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| 2 | Liturgika – Eucharystia | X | 2 | 1 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 3 | Teologia dogmatyczna – charytologia i eklezjologia z mariologią | X | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 4 | Bioetyka teologiczna | X | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 5 | Moralność życia społecznego | X | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 6 | Ekumenizm | X | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 7 | Katolicka nauka społeczna | X | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  |
| 8 | Prawo kanoniczne o ustroju Kościoła | X | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  |
| 9 | Misjologia | X | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 10 | Translatorium | X | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 11 | Seminarium naukowe 2 | X | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 25 | 3 | X | X | 305 | 175 | 130 | 21 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 3 | 3 | X | X | 40 | 0 | 40 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 4 | 2 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** |
| 1 | Dydaktyka nauczania religii 2 | X | 3 | 3 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 2 – śródroczna | X | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 5 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 3 | 3 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 5 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Homiletyka fundamentalna | X | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 2 | 0 | X | X | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 0 | X | X | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 10** | **32** | **6** | **X** | **X** | **380** | **205** | **175** | **26** |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na V roku studiów** | **61** | **10** | **X** | **X** | **755** | **415** | **340** | **48** |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Rok studiów: 6, semestr: 11** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Liturgika - sakramentalia i pobożność ludowa | XI | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 2 | Prawo kanoniczne osobowe | XI | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  |
| 3 | Teologia duchowości | XI | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  |
| 4 | Teologia dogmatyczna – sakramentologia i eschatologia | XI | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 5 | Seminarium naukowe 3 | XI | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 14 | 0 | X | X | 170 | 140 | 30 | 12 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 2 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** |
| 1 | Pedagogiczno-katechetyczna formacja nauczyciela religii | XI | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 1 | 0 | X | X | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 1 | 0 | X | X | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| **IV. 1. DN – Związanych z przygotowanie dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** |
| 1 | Praktyka katechetyczna w szkole 1 – ciągła | XI | 4 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 3 | 45 |  |
| 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 2 – ciągła | XI | 4 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 3 | 45 |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 8 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 6 | 90 |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 8 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 6 | 90 |  |
| **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Homiletyka materialna i formalna | XI | 3 | 1,5 | E | F | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 2 | Teologia pastoralna fundamentalna | XI | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 3 | Duszpasterstwo rodzin | XI | 3 | 1,5 | E | F | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  |
| 4 | Zarządzanie dobrami i prawo wyznaniowe | XI | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  |
| 5 | Muzyka kościelna - śpiewy Triduum Paschalnego i diakona | XI | 2 | 2 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 11 | 5 | X | X | 120 | 65 | 55 | 8 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 5 | 5 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 11 | 5 | X | X | 120 | 65 | 55 | 8 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 11** | **34** | **5** | **X** | **X** | **305** | **220** | **85** | **27** | **90** |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Rok studiów: 6, semestr: 12** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu: obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Grupa treści** |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| 1 | Teologia dogmatyczna - teologia sakramentu święceń | XII | 2,5 | 0 | E | O | 20 | 10 | 10 | 2 |  |  |
| 2 | Praca dyplomowa i egzamin dyplomowy | XII | 20 | 0 | E | F | 0 | 0 | 0 | 25 |  | 475 |
| 3 | Seminarium naukowe 4 | XII | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 24,5 | 0 | X | X | 35 | 10 | 25 | 28 |  | 475 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 22 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 26 |  | 475 |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| 1 | Liturgika - liturgiczna posługa diakona | XII | 1 | 1 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| 2 | Teologia pastoralna szczegółowa | XII | 3,5 | 1 | E | F | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  |
| 3 | Kierownictwo duchowe | XII | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  |
| 4 | Penitencja | XII | 5 | 1 | E | F | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  |
| 5 | Homiletyka szczegółowa | XII | 3 | 2 | E | F | 30 | 10 | 20 | 3 |  |  |
| 6 | Muzyka kościelna - śpiewy mszalne i prawodawstwo z zakresu muzyki kościelnej | XII | 2 | 1 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 16,5 | 6 | X | X | 180 | 100 | 80 | 13 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 6 | 6 | X | X | 80 | 0 | 80 | 5 |  |  |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 16,5 | 6 | X | X | 180 | 100 | 80 | 13 |  |  |
| **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 12** | **41** | **6** | **X** | **X** | **215** | **110** | **105** | **41** |  | **475** |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na VI roku studiów** | **75** | **11** | **X** | **X** | **520** | **330** | **190** | **68** | **90** | **475** |

**I. Przedmioty humanistyczne/społeczne:**- Afroamerykańskie dzieła kultury: voodoo, jazz, rastafari;- Animacja kultury studenckiej;- Literatura w mediach;- Myślenie i działanie projektowe;- Źródła społeczeństwa obywatelskiego.

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Tabela podsumowująca plan** |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Liczba punktów ECTS | Punkty ECTS za zajęcia praktyczne | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | Praktyka | Praca dyplomowa |
| ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne |
| **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w planie studiów** | 360 | 62,5 | 4209 | 2247 | 1962 | 308 | 120 | 475 |
| **Grupa treści** |
| **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 16 | 10 | 300 | 90 | 210 | 8 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 10 | 10 | 150 | 0 | 150 | 5 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 14 | 8 | 270 | 90 | 180 | 7 | 0 | 0 |
| **II. – PODSTAWOWYCH** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 59 | 2 | 675 | 395 | 280 | 45 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **III. – KIERUNKOWYCH** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 171,5 | 19 | 1905 | 1165 | 740 | 157 | 0 | 475 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 19 | 19 | 275 | 0 | 275 | 19 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 30 | 2 | 90 | 0 | 90 | 31 | 0 | 475 |
| **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** |
| **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** |
| **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 18 | 0 | 180 | 105 | 75 | 14 | 30 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 18 | 0 | 180 | 105 | 75 | 14 | 30 | 0 |
| **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 4 | 2 | 60 | 15 | 45 | 4 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 2 | 2 | 30 | 0 | 30 | 2 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 4 | 2 | 60 | 15 | 45 | 4 | 0 | 0 |
| **IV. 1. DN – Przygotowanie dydaktyczne do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 20 | 8 | 120 | 0 | 120 | 14 | 90 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 8 | 8 | 90 | 0 | 90 | 6 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 20 | 8 | 120 | 0 | 120 | 14 | 90 | 0 |
| **IV. 2. Grupa treści związanych z przygotowaniem kapłańskim** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 70 | 21,5 | 957 | 465 | 492 | 66 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 21,5 | 21,5 | 272 | 0 | 272 | 19 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 70 | 21,5 | 957 | 465 | 492 | 66 | 0 | 0 |
| **V – INNE** |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | 1,5 | 0 | 12 | 12 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **Lp.** | **Punkty ECTS sumaryczne wskaźniki ilościowe,** **w tym zajęcia:** | **Punkty ECTS** |  |  |  |  |  |  |
| **Liczba** | **%** |  |  |  |  |  |  |
| **Ogółem - plan studiów** | **360** | **100** |  |  |  |  |  |  |
| 1 | wymagające bezpośredniego udziału nauczyciela akademickiego lub innych osób prowadzących zajęcia | 180,68 | 50,19 |  |  |  |  |  |  |
| 2 | z zakresu nauk podstawowych | 59 | 16,39 |  |  |  |  |  |  |
| 3 | o charakterze praktycznym (laboratoryjne, projektowe, warsztatowe) | 62,5 | 17,36 |  |  |  |  |  |  |
| 4 | ogólnouczelniane lub realizowane na innym kierunku | 14 | 3,89 |  |  |  |  |  |  |
| 5 | zajęcia do wyboru - co najmniej 30% punktów ECTS | 156 | 43,33 |  |  |  |  |  |  |
| 6 | wymiar praktyk | 14 | 3,89 |  |  |  |  |  |  |
| 7 | zajęcia z wychowania fizycznego | - | - |  |  |  |  |  |  |
| 8 | zajęcia z języka obcego | 27 | 7,50 |  |  |  |  |  |  |
| 9 | przedmioty z dziedziny nauk humanistycznych lub nauk społecznych | 43,5 | 12,08 |  |  |  |  |  |  |
| 10 | zajęcia związane z prowadzoną w uczelni działalnością naukową w dyscyplinie/ach, do których przyporządkowano kierunek studiów (dotyczy profilu ogólnoakademickiego) | 254 | 70,56 |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **II** | **Procentowy udział pkt ECTS dla każdej z dyscyplin naukowych w łącznej liczbie punktów ECTS** | **%** |  |  |  |  |  |  |  |
| 1 | Nauki teologiczne | 100 |  |  |  |  |  |  |  |
| 2 | Pedagogika | 7 |  |  |  |  |  |  |  |
| 3 | Psychologia | 3 |  |  |  |  |  |  |  |
| **Ogółem:** | **100** |  |  |  |  |  |  |  |

 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |